an>

Title: Regarding enactment of a law for population control

श्री रविन्दर कुशवाहा (सलेमपुर): पूरी दुनिया की आबादी इस समय करीब 8 अरब है, जिसमें सबसे ज्यादा चीन की आबादी 1.43 अरब है जबकि भारत आबादी के मामले में 1.35 अरब जनसंख्या के साथ विश्व में दूसरे स्थान पर है । विश्व की कुल आबादी में से 17.85 फीसदी लोग भारत में रहते हैं और दुनिया के हर 6 नागरिक में से एक भारतीय है, परन्तु दुनिया के कुल भु-भाग में से भारत का भू-भाग सिर्फ 2.5 फीसदी है । एक रिपोर्ट के अनुसार 2024 तक जनसंख्या के मामले में भारत चीन को पछाड़कर विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन जाएगा । बढ़ती जनसंख्या देश के लिए सबसे बड़ा खतरा बनने वाला है जहां प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम दोहन, खाने-पीने से लेकर रहने और पहनने तक की कमी होगी, जिसके लिए हम पृथ्वी को नुकसान पहुंचायेंगें, गरीबी में बढ़ोत्तरी होगी, पलायन की मजबूरी, सहित तमाम तरह की समस्या देश के सामने होंगें । बढती जनसंख्या के प्रमुख कारण धार्मिक रूढ़िवादिता हमारे यहां एक विशेष समुदाय की प्रजनन दर दुनिया में सबसे अधिक है, साथ ही जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण गरीबी, शिक्षा की कमी, परिवार नियोजन की कमी मृत्यु दर के मुकाबले जन्मदर में अधिकता, भी है ।

महोदय मैं सरकार से मांग करता हूं कि सरकार श्रद्धेय अटल जी द्वारा गठित वेंकटचलैया आयोग की रिपोर्ट को संसद के पटल पर रखे और आयोग के सुझावों पर गंभीरता से चर्चा करें, तथा जल्द से जल्द जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर जनसंख्या विस्फोट से होने वाले विकराल समस्याओं को रोकने की कृपा करें ।